

कैसे मैं कह दूँ रे जी घबराता है श्याम भजन लिरिक्स



कैसे मैं कह दूँ रे, जी घबराता है,
साथ ही मेरे रहता है रे,
दानी दाता है,
मुझसे ये सपने में,
लाड़ लड़ाता है,
साथ ही मेरे रहता है रे,
दानी दाता है।bd।

तर्ज - तुझको ना देखूँ तो ।

चांद और सितारे, जग में हैं न्यारे,
बाबा को लगते, ये भी तो प्यारे,
ये भी निहारे, खादू नगरिया,
जाने है इन की, मन की सांवरिया,
जिसको ही, चाहे यो, दर्शन पाता है,
साथ ही मेरे रहता है रे,
दानी दाता है।bd।

फूल और बहारें, देखो रे सारे,
कितने हैं सुन्दर, इनके नज़ारे,
कैसे वो देखें, बन गए जो भगवन,
रहते वो खुद में, हरदम यहां मगन,
ऐसो का, बाबा से,
झूठा नाता है,
साथ ही मेरे रहता है रे,
दानी दाता है।bd।

होती ना मुश्किल, रहती ना उलझन,
कहां है उदासी, रहता हूँ बन-ठन,
जब भी बुलाये, मुझको ये खादू,
करता है मुझपे, ऐसा ये जादू,
फिर 'जालान' भजनों से,
इसे रिझाता है,
साथ ही मेरे रहता है रे,
दानी दाता है।bd।



कैसे मैं कह दूँ रे, जी घबराता है,
साथ ही मेरे रहता है रे,
दानी दाता है ,
मुझसे ये सपने में,
लाड़ लड़ाता है,
साथ ही मेरे रहता है रे,
दानी दाता है।

गायक – किशन मुद्गल ।
– भजन लेखक एवं प्रेषक –
पवन जालान जी ।
94160-59499
भिवानी (हरियाणा)